अंक-योजना

अत्यंत गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा, 2025

विषय-हिंदी (ऐच्छिक)

(प्रश्न-पत्र कोड 29/4/1-3)

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
2	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।

6	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
7	यदि किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर बिना घेरा लगाए अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों को जोड़कर बाएं हाथ के हाशिए में प्रश्न संख्या के समीप लिखकर घेरा लगाएँ। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है, तो बाईं ओर हाशिये में प्रश्न संख्या के समीप अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाया जाना चाहिए।
9	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की गलतियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उपभाग को बिना मूल्यांकन के छोड़ देना ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना ● उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से मुखपृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन ● मुखपृष्ठ पर प्रश्न के अनुसार अंकों का गलत योग ● मुखपृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग ● गलत कुल योग ● शब्दों और अंकों में लिखे कुल योग का समान न होना ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत अंकन ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया जाना लेकिन अंक न दिया जाना ● उत्तर का आधा या एक हिस्सा सही और बाकी को गलत चिह्नित करना लेकिन कोई अंक न देना

14	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
15	मूल्यांकन न किया गया कोई भी भाग, मुखपृष्ठ पर अंकन न होना या बाद में प्रकट हुई कोई भी त्रुटि मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाएगी इसलिए सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाना चाहिए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक मुखपृष्ठ पर अंकित किए गए हैं, अंकों का सही योग किया गया है तथा कुल योग को मुखपृष्ठ और लिखे गए अंतिम पृष्ठ पर अंकों और शब्दों में सही लिखा गया है।
18	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

अंक-योजना 2024-25
हिंदी (ऐच्छिक)

निर्धारित समय :*3* घण्टे अधिकतम अंक *: 80*

प्रश्न सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	**18**
	29/**4/1**	29/**4/2**	29/**4/3**		
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर:-**	**10**
				(i) (D) कथन (I) और (III) उचित हैं।	1
				(ii) (B) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।	1
				(iii)(D) खजुराहो की मध्यकालीन पाषाण कृतियों में बहुतायत लोक-व्यापार के शिल्प की है।	1
				(iv) लोक में कही गयी और अनुभव की गयी बातें	1
				(v) ● मध्यकालीन कला लोक का प्रतिनिधित्व नहीं करती ● क्योंकि राज्याश्रयी चितेरों, शिल्पियों और संन्यासियों ने अपने लोक की सर्जना की	2
				(vi) अजंता, खजुराहो और माउंट आबू आदि में बनी मंदिर सरणी, भीमबेटका की गुफाओं में आदिमानव का अंकन, शुंग वंश में अश्वमेध के घोड़ों का अंकन।	2
				(vii)● लोक और शास्त्र का मेल भारतीय कला के हर नमूने में दिखना, उनमें कोई द्वंद्व या विरोध नहीं, क्योंकि शास्त्र	2

				लोक की देन। जैसे-तमाम देवी-देवता लोक के मांडनों, थापों से लेकर खजुराहो, माउंट आबू और अजंता तक समान रूप से मिलना ● शिल्पांकन, स्थापत्य और चित्रांकन में भी दोनों का मेल	
2	**2**	**1**	**2**	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर : (i)(A) केवल I सही है। (ii) (C) वे अपनी उपस्थिति के प्रति सजग और संकोची हैं। (iii)(D)बुजुर्ग स्त्रियों के पास पाक कला के गुर, धैर्य और संयम होता है। (iv) घर में रह रही बुजुर्ग स्त्री के हवाले से लेन-देन की बहस (तुम्हारी माँ ने क्या दिया, क्या किया) (v)● बच्चों की भाषा में निखार ● मुहावरों, मिथकों, लोकोक्तियों, लोकगीतों, लोकगाथाओं का बच्चों की भाषा में सहज प्रयोग ● परिवार के सदस्यों में तालमेल बैठाना ● परम्पराओं से जुड़ाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) (vi) तनावभरी बातों को अनसुना करके विचार करते हुए गाँव जाने की बात करना सब ठीक हो जाता है या ठीक कर लिया जाता है क्योंकि उनके बिना घर का काम ठीक से नहीं चलेगा।	**8** 1 1 1 1 **2** 2
				खंड-ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)**	**22**
3	**3**	**3**	**5**	प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित : (क)● रेडियो श्रव्य माध्यम जबकि टेलीविजन दृश्य- श्रव्य माध्यम ● रेडियो में ध्वनि, शब्दों और स्वरों का महत्त्व जबकि टेलीविजन में दृश्यों और तस्वीरों का महत्त्व (ख) स्तंभ लेखन- निश्चित शीर्षक में विशिष्ट लेखक द्वारा नियमित वैचारिक लेखन	1 2

				● दैनिक/ साप्ताहिक/ पाक्षिक या मासिक लेखन ● लेखक को विषय चुनने एवं अपने विचार प्रकट करने की पूर्ण छूट ● लेखक और उनके स्तंभों के नाम से प्रकाशित, जैसे 'जनसत्ता' में अशोक वाजपेयी का स्तंभ 'कभी-कभार' (ग) ● पाठकों, श्रोताओं और दर्शकों की रुचि की विविधता के कारण ● विषयगत अनेकरूपता लाने के लिए ● सम्पूर्णता लाने हेतु ● कलेवर के विस्तार हेतु	2
4	**4**			किन्हीं **दो** प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर अपेक्षित:- (क)● साफ-सुथरी टंकित प्रति ● कोई अधूरी पंक्ति नहीं ● आम बोल-चाल की भाषा ● कठिन शब्दों से परहेज ● अंकों को लिखने में विशेष सतर्कता ● डेडलाइन को ध्यान में रखना ● समय जैसे कल शाम, आज सुबह/दोपहर आदि प्रयोगों में सावधानी ● संक्षिप्ताक्षरों से बचाव (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (ख) ● फीचर लेखन में आत्मनिष्ठता जबकि समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर बल ● फीचर लेखन अधिकांशत: कथात्मक शैली में, समाचार लेखन उल्टा पिरामिड शैली में	3 x 2 = 6

		4		● फीचर की भाषा सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मनग्राही, समाचार लेखन की भाषा में सपाटबयानी ● फीचर 200 से 2000 शब्दों में, समाचारों की शब्द सीमा तय (ग)● क्षेत्र विशेष का ज्ञान व रुचि ● उस क्षेत्र की जानकारियों से स्वयं को अपडेट रखना ● नई सूचनाओं के साथ ऐतिहासिक महत्व की घटनाओं को याद रखना ● क्षेत्र विशेष की तकनीकी शब्दावली का ज्ञान (क) ● संपादक के नाम पत्र-- सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रत्येक अख़बार में विभिन्न शीर्षकों से प्रकाशित पाठकों का अपना कोना ● अखबार का स्थायी स्तंभ ● पाठकों द्वारा अपने मुद्दे उठाने हेतु ● जन समस्याओं पर ध्यान खींचने हेतु ● जनमत का प्रतिबिम्ब (ख)● व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित न होने के बाद भी उस विषय में जानकारी और अनुभव के आधार पर अपनी समझ को इस सीमा तक विकसित करना कि उस विषय अथवा क्षेत्र में घटने वाली घटनाओं तथा मुद्दों की सहजता से व्याख्या की जा सके एवं पाठकों के लिए उनके मायने स्पष्ट किये जा सकें **कैसे:-** ● विषय विशेष में रुचि और योग्यता होना ● विषय विशेष से संबंधित पुस्तकें पढना ● विषय विशेषज्ञों के लेखों को संग्रहित करना ● विषय विशेष से जुड़े लोगों के संपर्क में रहना **आवश्यकता:-**	

				● विशेष क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों और समस्याओं का बारीक विश्लेषण करने के लिए (ग)● परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल शब्दों का प्रयोग ● घटनास्थल पर दिखाए जाने वाले दृश्य की भाषा और सिर्फ पढ़े जाने वाले दृश्य की भाषा में अंतर ● खबर पेश करने के तरीकों के आधार पर स्क्रिप्ट में बदलाव ● संक्षिप्त और सूत्रात्मक ● सरल, सहज, संप्रेषणीय और प्रवाहमय भाषा	
			4	(क)● साक्षात्कार या इंटरव्यू किसी क्षेत्र विशेष में पहचाने जाने वाले व्यक्ति/आम व्यक्ति से विषय-केंद्रित/तथ्य, उसके विचार और भावनाएं जानने के लिए प्रश्न/विशेष बातचीत **महत्त्व:-** ● पाठकों की जिज्ञासा शांत करना ● पत्रकार को विविध विषयों पर लेखन के लिए सामग्री की प्राप्ति **साक्षात्कार की विशेषताएँ :-** ● संबंधित व्यक्ति से तथ्य, उसकी राय और भावनाएँ निकलवा लेना (ख) विशेष-लेखन के प्रचलित क्षेत्र : ● अर्थ-व्यापार, खेल, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, कृषि, विदेश, रक्षा, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, फिल्म-मनोरंजन, अपराध, सामाजिक मुद्दें, कानून आदि (कम से कम चार का उल्लेख) ● विद्यार्थी स्वतंत्र मत से एक क्षेत्र चुनकर उससे संबंधित तैयारियों के विषय में लिखेंगे, अत: सदंर्भगत स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य	

				जैसे - पर्यावरण के विशेष क्षेत्र को चुना जा सकता है: तैयारी- पर्यावरण को केन्द्र मानकर उच्च अध्ययन, पर्यावरण विज्ञान (EVS) में अध्ययन, इससे संबंधित कानूनों की जानकारी, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बारे में जानकारी रखना, समसामयिक पर्यावरण संबंधी समस्याओं और राजनयिक संबंधों पर नज़र (ग) ● भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का प्रारंभ 1993 से ● इसी वर्ष हमारे देश में इंटरनेट की शुरुआत ● इसका दूसरा चरण 2003 से शुरू ● इसके साथ ही ऑनलाइन/ साइबर/वेब पत्रकारिता की शुरुआत **वर्तमान:-** ● तीसरा चरण आरंभ ● हिंदी के सभी समाचार-पत्र और पत्रिकाएं इंटरनेट पर उपलब्ध	
5	**5**	**5**	**3**	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख : • विषय-वस्तु : 3 अंक • भाषा : 1 अंक • प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
6	**6**	**6**	**6**	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित : (क) • कथानक • समय-सीमा • संकलन त्रय-देश, काल और वातावरण • रंगमंच और अभिनेयता • पात्रों के अनुकूल संवाद और भाषा-शैली (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य, कोई तीन) (ख)	**3 x 2 = 6**

				• आदिकाल से ही कहानी मानव जीवन का अभिन्न अंग • प्रत्येक मनुष्य में अपने अनुभव बाँटने और दूसरों के अनुभवों को जानने की सहज और स्वाभाविक प्रवृत्ति • हर आदमी में कहानी कहने का मूल भाव निहित (दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) (ग) **प्रमुख घटक:-** • भाषा - सम्यक भाषा की जानकारी • शब्द - भावानुकूल शब्दों का चयन • छंद- छंद और उसके अनुशासन की जानकारी, मुक्त छंद में भी एक आंतरिक लय • बिम्ब विधान • अनकहा कहने का कौशल • नवीन दृष्टिकोण **आवश्यकता** • भावों की काव्य रूप में सम्यक, सुचारु और सशक्त प्रस्तुति हेतु	
				खण्ड-ग **(पाठ्यपुस्तक- अंतरा तथा अंतराल पर आधारित)**	
7	**7**	**10**	**7**	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर : (i)(D) कवि रूप में साहित्य जगत में पहचान न मिल पाना (ii)(A) करुणा (iii)(C) कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या करता है। (iv)(B) सर्दी के प्रकोप से खराब हो चुके कमलों से (v)(B) (I) और (II) दोनों	**1 x 5 = 5**
8	**8**			काव्यखंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित:- (क)● पिता व भाई की मृत्यु के पश्चात अपने राष्ट्र की चिंता	**2 x 2 = 4**

		11		● हूणों से प्रतिशोध न ले पाना ● प्रेम में असफलता ● आश्रम में जीवन व्यतीत करना ● अकेलापन ● आशाविहीन और पश्चाताप से भरा जीवन (कोई दो बिंदु) (ख)● दोनों के ही प्रिय परदेस में ● दोनों की नायिकाएँ विरह से व्यथित ● प्राकृतिक उपादान दोनों के लिए कष्टदायी ● प्रिय वियोग में दोनों की नायिकाओं का कृशकाय होना (ग) **धार्मिक पृष्ठभूमि :** ● श्रद्धा, भक्ति और विरक्ति का संगम ● आस्था का शहर - काशी और गंगा मोक्ष दायिनी ● कर्मकांडों से संचालित **सामाजिक यथार्थ :** ● लोगों की भिखारियों के प्रति संवेदना/सहयोग ● प्रतिस्पर्धा से परे ● शहर का अपनी ही 'रौ' में रहना (कोई भी एक बिंदु/अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) (क) ● पत्नी और पुत्री दोनों के असामयिक निधन की व्यथा ● कुछ न कर पाने की पीड़ा की अभिव्यक्ति ● निराला के शोक संतप्त हृदय का मार्मिक एवं हृदयस्पर्शी उद्गार (ख)● राजा रत्नसेन के प्रवास पर रानी नागमती की विरह अवस्था का मार्मिक चित्रण ● विरह-काव्य/वियोग की अतिशयोक्तिपूर्ण अभिव्यक्ति	

				• भाषा-अवधी • माधुर्य गुण • छंद- दोहा-चौपाई (कोई दो बिंदु अपेक्षित/अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) (ग) • आजीवन प्रिय का रूप निरखते हुए भी नायिका के नेत्र अतृप्त रहना • नायिका की आँखों में प्रिय के दर्शन की अभिलाषा बनी रहना	
			8	(क)• देवसेना का जीवन प्रेम की विफलता के बाद पश्चाताप और रुदन के साथ भिक्षाटन में सीमित • देवसेना अपनी संभावित सफलता के लिए पूर्णतः स्कंदगुप्त पर निर्भर • देवसेना का भावुकतापूर्ण प्रेम • आधुनिक स्त्री की चुनौतियाँ भिन्न—देवसेना के त्याग और वैराग्य भरे जीवन से आधुनिक स्त्री का प्रेरणा न ले पाना (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) (ख)• बनारस के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक चित्र – भिखारियों से लेकर बंदरों और गंगा से लेकर मंदिरों के चित्र • बनारस के लोगों की जीवन-शैली की झलक • संस्कृति और परंपरा से जुड़ाव • शहर की अपनी ही लय • बनारस में श्रद्धालुओं और पर्यटकों का निरंतर आवागमन (कोई दो बिंदु अपेक्षित/अन्यबिंदु भी स्वीकार्य) (ग) • वियोग में अपनी मरणासन्न अवस्था का	

				● सुजान से मिलने की उत्कंठा में प्राणों का अटकना **मार्मिकता :** मृत्यु की निकटता में भी प्रिये की राह देखना	
9	**9**	**12**	**9**	किसी ***एक*** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : • संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक • विशेष : 1 अंक (क) कवि: तुलसीदास कविता: भरत-राम का प्रेम **अथवा** (ख) कवि: रघुवीर सहाय कविता: वसंत आया	**6**
10	**10**	**7**	**10**	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर : (i)(B) विरोध करना (ii)(D) व्यवस्था के कहर से बचना (iii)(B) व्यवस्था (iv)(B) किसी न किसी प्रलोभन के कारण (v)(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।	**1 x 5 = 5**
11	**11**			किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित:- (क)● हरगोबिन के मन में कर्त्तव्य और भावनाओं का द्वन्द्व ● बड़ी बहुरिया के सम्मान और गाँव की प्रतिष्ठा (ख)● औद्योगीकरण के कारण जमीन का अधिग्रहण एवं प्राकृतिक परिवेश का नष्ट होना ● पारिस्थितिकीय असंतुलन ● धरती के तापमान में निरंतर वृद्धि **भावी संकट :**	**2 x 2 = 4**

				● भविष्य में असंतुलन की स्थिति ● प्रदूषण की भयावह स्थिति ● विस्थापन के कारण शहरों में बढ़ती झुग्गियाँ (ग)● **सामंती प्रवृत्तियाँ**- रईसी और तबीयतदारी, वसंत पंचमी, होली इत्यादि अवसरों पर नाच-रंग और उत्सव **उदाहरण :-** ● लड़के का पीछे-पीछे पान की तश्तरी लिए घूमना ● भभकते लैंप को स्वयं हाथ बढ़ा कर न बुझाना, नौकर को आवाज़ देते रहना	
		8		(क)● प्राकृतिक आपदाओं के कारण विस्थापन पर मनुष्य का वश नहीं, प्रकृति का प्रकोप जबकि औद्योगीकरण के कारण विस्थापन मनुष्य के लालच या विकास की अंधी दौड़ का परिणाम ● प्राकृतिक विस्थापन के पश्चात स्थिति सँभलने पर लोगों का पुन: अपनी जगहों पर लौट आना परंतु औद्योगीकरण से सदा के लिए निर्वासित (ख) ● हरगोबिन के मन में कर्त्तव्य और भावनाओं का द्वन्द्व ● बड़ी बहुरिया के सम्मान और गाँव की प्रतिष्ठा (ग) ● 'रूप' व्यक्तिगत पहचान, 'नाम' को सामाजिक मान्यता ● नाम के बिना रूप अधूरा	
			11	(क)● पुरानी पीढ़ी/भारतेन्दु मंडल के होने के कारण ● उनके प्रति प्रेम और कौतूहल का सम्मिश्रण (ख) ● मंसा देवी के प्रांगण के बाहर बिकने वाली पूजा सामग्री और खान-पान की चीजों का व्यापार ● विभिन्न सामग्रियों को बेचने की कला का व्यापार (ग) ● गाढ़े का साथी – मुश्किल में काम आने वाला ● प्रतिकूल परिस्थिति में कुटज द्वारा कालिदास के विरही यक्ष के काम आना	

				हाँ, पेड़-पौधे हरियाली, जीवनीशक्ति और प्रेरणा देते हैं	
12	**12**	**9**	**12**	किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : • संदर्भ : 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) • प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या : 3 अंक • विशेष : 1 अंक (क) लेखक: चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' पाठ: सुमिरिनी के मनके (घड़ी के पुर्जे) **अथवा** (ख) लेखिका: ममता कालिया पाठ : दूसरा देवदास	**6**
13	**13**			तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में अपेक्षित:- (क) ● गाँव के परिवेश में ऋतु परिवर्तन स्पष्ट रूप से परिलक्षित होना ● गाँव का जीवन ऋतुओं/प्रकृति के अधिक निकट ● **शरद** : हरसिंगार फूलना, कुमुद यानी कोइयाँ खिलना, तोरी, लौकी, भिंडी, कोहड़ा, शरीफा आदि फलों-सब्जियों की पैदावार ● **ग्रीष्म** : चिलचिलाती धूप, लू लगने की घटनाएँ, प्याज़, आम, जामुन, कटहल आदि की उपलब्धता ● **वर्षा** : घनघोर वर्षा, कई दिनों तक लगातार वर्षा, गंदगी, बदबू, कीचड़, गीले जलावन के कारण घर का धुँए से भर जाना (ख) **आत्मीयता और अपनत्व:-**	**5 x 2 = 10**

				● नागदा स्टेशन पर मीणा जी के साथ मेल-मिलाप से आत्मीय संबंधों की झलक ● इंदौर में लेखक और दव्वा के बीच आत्मीयता से की गई बातचीत **परिवर्तन के कारण:-** ● संदेह और असमंजस ● आत्मीयता में कमी ● समय का अभाव ● स्वार्थपूर्ण संबंध ● अजनबियों पर भरोसा नहीं ● सुरक्षा कारण (ग) **सरलता:-** ● पोटली में 500 रुपये होते हुए भी दिखावा न करना ● अभिमान न होना ● उदारता (बालक का पालन-पोषण) ● सहृदयता (सुभागी के प्रति) ● प्रतिशोध न लेना **व्यावहारिक चतुराई:-** ● 500 रुपये पोटली में छुपा कर रखना ● पोटली गायब होने की बात उजागर न करना ● जगधर के भड़काने पर भी भैरों से बैर न रखना ● नैराश्य, ग्लानि, चिंता और क्षोभ को प्रकट न करना	
		13		(क) ● **दूध कटहा हो जाना**- माँ का दूध पीने वाली उम्र में लेखक के छोटे भाई का जन्म होने से माँ के दूध से वंचित रह जाना **संकट का स्वरूप:-**	

				• आँचल में छिपकर खेलने का संबंध खत्म • कसेरिन दाई पर निर्भरता • गाय का बेस्वाद दूध पीने को विवश **अनुभव :-** स्वतन्त्र उपयुक्त अभिव्यक्ति स्वीकार्य (ख) • सहृदय और सरल • प्रतिशोध की भावना से मुक्त • हार न मानने वाला • दृढ़निश्चयी • पुनर्निर्माण में विश्वास • उदार • सहनशील • क्षमाशील आदि **क्यों:-** स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य (ग) **तरीके:-** • तालाब, बावड़ियों में वर्षा-जल संचय **प्रभाव:-** • तालाब, बावड़ियों का गाद से भरना • भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन • नदी-नालों का सूखना **बचाव के उपाय:-** स्वतंत्र उपयुक्त अभिव्यक्ति स्वीकार्य जैसे-- शहरों/गाँवों/कस्बों में तालाबों के लिए जगह, वर्षा जल संचय की सुविधा आदि	
			13	(क) • सहृदय और सरल	

				● प्रतिशोध की भावना से मुक्त ● हार न मानने वाला ● दृढनिश्चयी ● पुनर्निर्माण में विश्वास ● उदार **आवश्यकता क्यों:-** स्वतंत्र उत्तर । जैसे – आज के समय में समाज में जो नकारात्मकता या निराशाजनक स्थिति है इस प्रकार के दिशा-दिखाने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता (ख) ● गाँव के परिवेश में ऋतु परिवर्तन स्पष्ट रूप से परिलक्षित होना ● गाँव का जीवन ऋतुओं/प्रकृति के अधिक निकट ● **शरद** : हरसिंगार फूलना, कुमुद यानी कोइयाँ खिलना, तोरी, लौकी, भिंडी, कोहड़ा, शरीफा आदि फलों-सब्जियों की पैदावार ● **ग्रीष्म** : चिलचिलाती धूप, लू लगने की घटनाएँ, प्याज़, आम, जामुन, कटहल आदि की उपलब्धता ● **वर्षा** : घनघोर वर्षा, कई दिनों तक लगातार वर्षा, गंदगी, बदबू, कीचड़, गीले जलावन के कारण घर का धुँए से भर जाना **उपाय:-** ● कच्चे आम का पन्ना ● आम भूनकर गुड़ या चीनी में शरबत, देह में लेपना, नहाना ● कच्चे प्याज़ का सेवन ● धोती या कमीज में प्याज़ बांधकर रखना (ग) ● औद्योगिक विकास की खाऊ-उजाड़ू सभ्यता और संस्कृति ● कार्बनडाइऑक्साइड गैस का उत्सर्जन	

				● अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों की सुविधाभोगी जीवन-शैली **परिणाम:-** ● पर्यावरण का विनाश ● अतिशय गर्मी/बरसात/जाड़ा ● पारिस्थितिकीय असंतुलन **बचाव के उपाय** - स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर, जैसे- वृक्षारोपण, उद्योग शहरों से दूर, नदियों की सफाई आदि	